

५. आखिरी चट्टान तक

(क) रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सहायता बॉक्स से सही शब्द चुनिए।

[लाल, यात्रियों, अर्जियाँ, सूर्योदय, कडल-काक, बड़, शंख, रेशम, सफेद, मछुआरों, रबड़ पेड़, सूर्यास्त, माला]

1. कन्याकुमारी सुनहले _____ और _____ की भूमि है।
2. कन्याकुमारी के मंदिर की _____ और _____ लकीरें चमक रही थीं।
3. सैंड हिल पर _____ की टोलियाँ जा रही थीं।
4. लोगों ने सुंदर रंगों का _____ पहन रखा था।
5. समुद्र का पानी धीरे-धीरे _____ रहा था।
6. नवयुवकों का मुख्य काम _____ देना था।
7. स्थानीय युवतियाँ _____ और _____ बेच रही थीं।
8. नाव _____ के तनों से बनाई गई थी।
9. पानी पर _____ के पंख चमक रहे थे।
10. लेखक को कन्याकुमारी की आखिरी चट्टान तक जाने से _____ ने रोका था।

(ख) स्तंभ (A) में दिए गए शब्दों/नामों का स्तंभ (B) में दिए गए सही विवरणों से मिलान कीजिए।

Column A	Column B	Ans.
1. सैंड हिल	i. शक्ति और विस्तार	1. _____
2. विवेकानंद चट्टान	ii. एक प्रसिद्ध पेड़ जिसके फूल	2. _____
3. समुद्र	iii. बालू का टीला	3. _____
4. अर्घ्य	iv. समुद्री जीव का खोल	4. _____
5. महुआ	v. पूजा की सामग्री	5. _____
6. सीपी	vi. ध्यान का स्थान	6. _____

(ग) निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रत्येक कथन के सामने 'सत्य' या 'असत्य' लिखिए।

1. लेखक नाव में बैठकर दृश्य देख रहा था। - _____
2. पच्छिमी क्षितिज में सूर्य धीरे-धीरे नीचे जा रहा था। - _____
3. लेखक सूर्यास्त देखने सैंड हिल पर गया। - _____
4. सूर्यास्त के समय रंग स्थिर थे। - _____

5. लेखक को चट्टान तक पहुँचते समय डर नहीं लगा। - _____
6. लोग सूर्य को अर्घ्य देने आए थे। - _____
7. लेखक को समुद्र का सबसे अधिक खुला विस्तार पश्चिमी क्षितिज पर नजर आया। - _____
8. गवर्नमेंट गेस्ट हाउस के बैरे उन्हें सूर्यास्त के समय की चाय पिला रहे थे। - _____
9. लेखक ने अलग-अलग रंगों की रेत को हाथ में लेकर देखा और जेब में संभाल कर रख लिया। - _____
10. चट्टान के उस ओर तट पर लगभग सौ फुट का खुला फैलाव था। - _____

(घ) नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. लेखक कहाँ खड़ा होकर दृश्य देख रहा था?

(i) पहाड़ पर <input type="checkbox"/>	(iii) नाव में <input type="checkbox"/>
(ii) स्याह चट्टान पर <input type="checkbox"/>	(iv) मंदिर में <input type="checkbox"/>
2. लहरें चट्टानों से टकराकर क्या बना रही थीं?

(i) धुआँ <input type="checkbox"/>	(iii) बूँदों की जालियाँ <input type="checkbox"/>
(ii) चिंगारियाँ <input type="checkbox"/>	(iv) बादल <input type="checkbox"/>
3. लेखक सूर्यास्त देखने कहाँ गया?

(i) सैंड हिल <input type="checkbox"/>	(iii) मंदिर <input type="checkbox"/>
(ii) समुद्र <input type="checkbox"/>	(iv) पहाड़ी <input type="checkbox"/>
4. सूर्य का गोला कहाँ डूबता हुआ दिखाई दिया?

(i) पानी में <input type="checkbox"/>	(iii) बादलों में <input type="checkbox"/>
(ii) पहाड़ में <input type="checkbox"/>	(iv) जंगल में <input type="checkbox"/>
5. कन्याकुमारी के नवयुवकों की मुख्य समस्या क्या थी?

(i) गरीबी <input type="checkbox"/>	(iii) बीमारी <input type="checkbox"/>
(ii) बेकारी <input type="checkbox"/>	(iv) शिक्षा की कमी <input type="checkbox"/>
6. लेखक को दूर-दूर हटकर किसके पेड़ों के झुरमुट नजर आ रहे थे?

(i) नारियल <input type="checkbox"/>	(iii) सेब <input type="checkbox"/>
(ii) केले <input type="checkbox"/>	(iv) जामुन <input type="checkbox"/>
7. ग्रेजुएट युवक ने लेखक के सामने क्या खाया?

(i) मिठाई <input type="checkbox"/>	(iii) शंख का कवच <input type="checkbox"/>
(ii) सीपी का गूदा <input type="checkbox"/>	(iv) शंख का गूदा <input type="checkbox"/>

8. रेत के रंग कितनी दूरी पर अलग दिख रहे थे?

(i) आधा किलोमीटर की

(iii) कुछ फुट की

(ii) कुछ मीटर की

(iv) एक-एक इंच की

9. लेखक विवेकानंद चट्टान पर कैसे पहुँचा?

(i) तैर कर

(iii) मछुआ नाव से

(ii) पानी के जहाज से

(iv) हेलीकॉपटर से

10. कन्याकुमारी की आबादी कितनी थी?

(i) आठ हजार

(iii) बीस हजार

(ii) दस हजार

(iv) चालीस हजार

(ड) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में (लगभग 25-30 शब्दों में) लिखिए।

1. कन्याकुमारी में किन तीन समुद्रों का संगम है?

उत्तर: _____

2. विवेकानंद चट्टान का क्या महत्व है?

उत्तर: _____

3. लेखक को विवेकानंद चट्टान तक पहुँचते समय कैसा लगा और उसने क्या किया?

उत्तर: _____

4. सैंड हिल पर वातावरण रंगीन क्यों लग रहा था?

उत्तर: _____

5. लेखक पूरा दृश्य देखने के लिए बार-बार रेत के टीलों को पार क्यों करता गया?

उत्तर: _____

6. समुद्र तट पर लौटते समय लेखक को कब और क्यों घबराहट होने लगी थी?

उत्तर: _____

7. लेखक ने वापस आने के लिए टीलों के बजाय समुद्र तट का रास्ता क्यों चुना?

उत्तर: _____

8. कन्याकुमारी के समुद्र तट की रेत में क्या अनूठी विशेषता थी?

उत्तर: _____

9. सुबह के समय घाट पर लोग क्या कर रहे थे?

उत्तर: _____

10. यात्रा के अंत में लेखक के मन में क्या उधेड़बुन (चिंता) चल रही थी?

उत्तर: _____

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से (लगभग 80-100 शब्दों में) लिखिए।

1. लेखक ने कन्याकुमारी में समुद्र के दृश्य का जो वर्णन किया है, उसे विस्तार से लिखिए।

उत्तर: _____

2. सैंड हिल पर सूर्यास्त का दृश्य लेखक ने किस प्रकार प्रस्तुत किया है?

उत्तर: _____

3. यात्रा के दौरान लेखक के मन में उत्पन्न भय और प्रकृति के साथ उसके संघर्ष का वर्णन कीजिए।

उत्तर: _____

4. कन्याकुमारी के शिक्षित नवयुवकों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

उत्तर: _____

5. समुद्र तट की रेत के रंगों का अनूठा वर्णन लेखक ने किस प्रकार किया है?

उत्तर: _____

6. 'आखिरी चट्टान तक' पाठ के आधार पर लेखक के अनुभवों का समग्र (कुल) वर्णन कीजिए।

उत्तर: _____

(छ) नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो समान अर्थ वाले शब्द लिखिए।

1. चट्टान	-	_____	4. समुद्र	-	_____
2. नाव	-	_____	5. बाइनाकुलर	-	_____
3. अँधेरा	-	_____	6. ओट	-	_____

(ज) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक (विलोम) शब्द लिखिए।

1. सूर्योदय	X	_____	4. आखिरी	X	_____
2. सुरक्षित	X	_____	5. शिक्षित	X	_____
3. स्थिर	X	_____	6. साहस	X	_____

(झ) नीचे दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. क्षितिज - _____
 2. झुरमुट - _____

3. श्रृंखला - _____
4. सूखी - _____
5. वीरान - _____
6. महुआ - _____

(ज) पाठ में प्रयुक्त या उससे जुड़े निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. सिर धुनना
अर्थ - _____
वाक्य - _____
2. हाथ-पैर पटकना
अर्थ - _____
वाक्य - _____
3. चोटी सर करना
अर्थ - _____
वाक्य - _____

(ट) पाठ में दिए गए शब्दों को पहचानकर उनके सही शब्द-भेद लिखिए।

शब्द सूची: सूर्योदय, रेत, मल्लाह, कॉफी, चट्टान, स्थल, लहू, होटल, चेतना, बैरा

1. तत्सम शब्द (संस्कृत के मूल शब्द) - _____
2. तद्भव शब्द (संस्कृत से बदलकर बने शब्द) - _____
3. देशज शब्द (स्थानीय/क्षेत्रीय शब्द) - _____
4. विदेशी शब्द (अंग्रेज़ी/अरबी/फ़ारसी शब्द) - _____

(ठ) नीचे दिए गए वाक्यों में कोष्ठक में से सही विशेषण या विशेष्य चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

1. लेखक सूर्यास्त देखने के लिए ऊँचे _____ टीले की ओर बढ़ने लगा। (पीली / रेतीले)
2. समुद्र के अंदर से उभरी _____ चट्टानों पर पानी की मार पड़ रही थी। (स्याह / सफेद)
3. कन्याकुमारी में कम-से-कम चार-पाँच सौ _____ नवयुवक बेकार थे। (मल्लाह / शिक्षित)
4. दक्षिण-पूर्व के क्षितिज में एक जहाज की _____ रोशनी दिखाई दे रही थी। (मद्धिम-सी / तेज)
5. बलखाती लहरें रास्ते की _____ चट्टानों से कट रही थीं। (नुकीली / गोल)

(ड) वाक्यों को ध्यान से पढ़कर क्रिया-विशेषण पहचानिए और बताइए कि वह किस क्रिया की विशेषता बताता है।

वाक्य	क्रिया-विशेषण	क्रिया (जिसकी विशेषता बताई जा रही है)
1. बलखाती लहरें रास्ते की नुकीली चट्टानों से कटती हुई आती थीं।		
2. यात्रियों की कितनी ही टोलियाँ उस दिशा में जा रही थीं।		
3. मैं देर तक भारत के स्थल-भाग की आखिरी चट्टान को देखता रहा।		
4. पच्छिमी क्षितिज में सूर्य धीरे-धीरे नीचे जा रहा था।		
5. जल्दी-जल्दी चलते हुए मैंने एक के बाद एक कई टीले पार किए।		
6. रंग इतनी जल्दी-जल्दी बदल रहा था कि नाम देना असंभव था।		

(ण) नीचे दिए गए वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर उनके सामने दिए गए रिक्त स्थान में लिखिए।

1. "मैं सूर्यास्त की दिशा में चलने लगा।" (इसे संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर: _____

2. "जब अपना होश हुआ, तो देखा कि मेरी चट्टान पानी से घिर गई है।" (इसे सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर: _____

3. "वहाँ बहुत से लोग थे और वे शायद सूर्यास्त देख रहे थे।" (इसे मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर: _____

(त) नीचे दिए गए पदों का संधि-विच्छेद कीजिए या संधि करके लिखिए।

1. सूर्योदय = _____ + _____

2. हिमालय = _____ + _____

3. संतुष्ट = _____ + _____

4. अन्तः + गत = _____

5. प्रति + अक्ष = _____

(थ) नीचे दिए गए समस्त पदों का विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए।

1. तट-रेखा : _____ (समास: _____)

2. सूर्यास्त : _____ (समास: _____)

3. सफ़ेद-लाल : _____ (समास: _____)
4. दार्शनिक सिद्धांत : _____ (समास: _____)
5. यथासमय : _____ (समास: _____)

(द) नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव हर साल 12 से 16 जनवरी तक भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1995 में हुई थी। यह महोत्सव स्वामी विवेकानंद की जयंती (12 जनवरी) के अवसर पर शुरू होता है, जिसे पूरे देश में 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवाओं को एक साथ लाना है, ताकि वे अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा, कला, नवाचार (Innovation) और विचारों का आदान-प्रदान कर सकें। हर साल यह महोत्सव भारत के किसी अलग राज्य में आयोजित किया जाता है और इसकी एक अनूठी 'थीम' (Theme) तय की जाती है। यह आयोजन देश की एकता, अखंडता और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को सुदृढ़ करता है।

दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए:

1. राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष किस अवधि (तारीखों) में किया जाता है?

उत्तर: _____

2. 'राष्ट्रीय युवा दिवस' हर साल किस तिथि (तारीख) को मनाया जाता है?

उत्तर: _____

3. राष्ट्रीय युवा महोत्सव को मनाने की शुरुआत किस वर्ष से की गई थी?

उत्तर: _____

4. इस महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष भारत के किस राज्य में होता है?

उत्तर: _____

5. गद्यांश के अनुसार, यह आयोजन देश की किन भावनाओं को सुदृढ़ (मजबूत) करता है?

उत्तर: _____

Answer

(क) रिक्त स्थान भरिए

- | | | |
|------------------------|--------------|-------------|
| 1. सूर्योदय, सूर्यास्त | 5. बढ़ | 9. कडल-काक |
| 2. सफेद, लाल | 6. अर्जियाँ | 10. मछुआरों |
| 3. यात्रियों | 7. शंख, माला | |
| 4. रेशम | 8. रबड़ पेड़ | |

(ख) मिलान कीजिए

- | | | | | | |
|---------|--------|-------|-------|--------|--------|
| 1 → iii | 2 → vi | 3 → I | 4 → v | 5 → ii | 6 → iv |
|---------|--------|-------|-------|--------|--------|

(ग) सत्य / असत्य

- | | | | | | |
|---------|----------|---------|----------|----------|---------|
| 1. सत्य | 2. असत्य | 3. सत्य | 4. असत्य | 5. असत्य | 6. सत्य |
| 7. सत्य | 8. असत्य | 9. सत्य | 10. सत्य | | |

(घ) बहुविकल्पीय प्रश्न

- | | | |
|----------------------------|----------------------|----------------------|
| 1. (ii) स्याह चट्टान पर | 5. (ii) बेकारी | 9. (iii) मछुआ नाव से |
| 2. (iii) बूँदों की जालियाँ | 6. (i) नारियल | 10. (i) आठ हजार |
| 3. (i) सैंड हिल | 7. (ii) सीपी का गूदा | |
| 4. (i) पानी में | 8. (iv) एक-एक इंच की | |

(ङ) संक्षेप में उत्तर (25-30 शब्दों में)

- कन्याकुमारी में भारत के तीन विशाल समुद्रों—अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर का अनूठा संगम होता है।
- यह वह पवित्र स्थान है जहाँ स्वामी विवेकानंद ने बैठकर गहरा ध्यान (साधना) किया था। यह आध्यात्मिक शांति और देश की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है।
- लेखक को रोमांच और हल्के भय का अनुभव हुआ। वहाँ पहुँचकर उसने काफी देर तक भारत के स्थल-भाग की इस आखिरी चट्टान को निहारा और प्रकृति की विशालता को महसूस किया।
- सूर्यास्त के समय सूर्य की किरणें विभिन्न कोणों से समुद्र और रेत पर पड़ रही थीं। आकाश में बदलते रंगों के प्रतिबिंब के कारण वहाँ की रेत और पूरा वातावरण जादुई रूप से सतरंगी लग रहा था।
- क्षितिज पर सूर्य के डूबने और समुद्र की लहरों का हर पल बदलता हुआ अद्भुत नज़ारा लेखक को मंत्रमुग्ध कर रहा था। उस असीम सौंदर्य को पूरी तरह देखने की उत्सुकता में लेखक आगे के टीलों को पार करता गया।
- जब अचानक तेज़ी से अंधेरा घिरने लगा और समुद्र का पानी तट की चट्टानों तक ऊपर आने लगा, तब लेखक को घबराहट हुई कि वह पानी से घिर गया है और रास्ता भटकने के कारण समय पर नहीं लौट पाएगा।

7. अंधेरा बढ़ने के कारण रेत के ऊंचे-नीचे टीलों पर रास्ता खोजना और चलना बहुत कठिन था। लेखक को लगा कि समुद्र तट का समतल रास्ता सीधा है और वह वहाँ से जल्दी वापस लौट सकेगा।
8. यहाँ की रेत की सबसे अनूठी विशेषता इसकी रंग-बिरंगी विविधता है। इसमें अलग-अलग रंगों के टुकड़े (जैसे काली, पीली, लाल और सुनहरी रेत) अलग-अलग पट्टियों में मौजूद हैं।
9. सुबह के समय घाट पर भारी संख्या में लोग एकत्रित थे। कुछ श्रद्धालु सूर्योदय की प्रतीक्षा में प्रार्थना कर रहे थे, कुछ पवित्र स्नान कर रहे थे, और कुछ स्थानीय लोग पर्यटकों को शंख व सीपियों की मालाएँ बेच रहे थे।
10. यात्रा के अंत में लेखक के मन में यह उधेड़बुन थी कि वह अपनी इस यात्रा के गहरे अनुभवों और प्रकृति के असीम सौंदर्य को शब्दों में कैसे बांधे, साथ ही वहाँ से लौटने का दुख भी उनके मन में था।

(च) विस्तार से उत्तर (80-100 शब्दों में)

1. लेखक ने कन्याकुमारी के समुद्र को बेहद जीवंत और गतिशील रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि जहाँ तीनों समुद्र मिलते हैं, वहाँ पानी के रंगों में एक अद्भुत अंतर दिखाई देता है—कहीं गहरा नीला, कहीं मटमैला तो कहीं पन्ना जैसा हरा रंग दिखता है। समुद्र की बलखाती और उग्र लहरें रास्ते की नुकीली चट्टानों से टकराकर कटती हुई आती हैं, जिससे सफ़ेद झाग पैदा होता है। अनंत क्षितिज तक फैला पानी और हवा के झोंकों से पैदा होने वाला शोर मन में रोमांच भर देता है। प्रकृति का यह रूप शांत होने के साथ-साथ अत्यंत शक्तिशाली और विहंगम प्रतीत होता है।
2. सैंड हिल (रेत के टीले) से सूर्यास्त का दृश्य देखना लेखक के लिए एक जादुई अनुभव था। जैसे-जैसे सूर्य पच्छिमी क्षितिज में नीचे जा रहा था, वैसे-वैसे आकाश और समुद्र के पानी का रंग इतनी तेज़ी से बदल रहा था कि उन्हें कोई एक नाम देना असंभव था। पल भर में रंग सोने जैसा चमकीला, फिर लाल, बैंगनी और गहरा नीला हो जाता था। सूर्य का गोला धीरे-धीरे पानी की सतह को छूता हुआ प्रतीत हो रहा था। इस रोशनी में रेत के कण भी चमक रहे थे, जिससे पूरी सैंड हिल सतरंगी कैनवास जैसी दिखने लगी। लेखक ने इसे प्रकृति का सबसे मनोहारी रंग-उत्सव कहा है।
3. लेखक जब सूर्यास्त देखने में खोया हुआ था, तब अचानक तेज़ी से रात घिर आई। वापस लौटते समय जब उसने देखा कि उसकी चट्टान पानी से घिर चुकी है, तो उसके मन में तीव्र भय का संचार हुआ। चारों ओर समुद्र की गरजती लहरें थीं और रास्ता पूरी तरह अदृश्य हो चुका था। पैरों के नीचे सरकती रेत और सामने पानी का बढ़ता स्तर लेखक के लिए एक कठिन शारीरिक और मानसिक संघर्ष बन गया। वह हाँफते हुए, गिरते-संभलते हुए अंधेरे में सुरक्षित किनारे की तलाश कर रहा था। प्रकृति का जो रूप कुछ देर पहले सुंदर था, वही अब डरावना और जानलेवा लग रहा था।
4. लेखक ने कन्याकुमारी के पढ़े-लिखे युवाओं की कठिन स्थिति को बताया है। वहाँ शिक्षा अच्छी है, लेकिन नौकरी के मौके कम हैं। ग्रेजुएट युवक भी अपना जीवन चलाने के लिए संघर्ष करते हैं। वे समुद्र तट पर पर्यटकों को गाइड करते हैं, फोटो एल्बम या सीपियों से बनी चीजें बेचते हैं। अपनी पढ़ाई के अनुसार काम न मिलने से वे निराश और परेशान दिखाई देते हैं।

5. लेखक ने कन्याकुमारी के तट की रेत को साधारण नहीं, बल्कि 'रंगों का खजाना' कहा है। उन्होंने देखा कि वहाँ की रेत एक जैसी या आपस में मिली हुई नहीं है। अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग रंगों की रेत की पट्टियाँ मौजूद हैं। कहीं पूरी तरह घनी काली रेत है, तो कुछ ही दूरी पर चमकीली सुनहरी रेत बिखरी है। कहीं मटमैली तो कहीं लाल रंग के दानों वाली रेत दिखाई देती है। सूर्यास्त और सूर्योदय के समय जब सूर्य की रंगीन किरणें इन अलग-अलग रंगों की रेत पर पड़ती हैं, तो पूरा तट एक बहुमूल्य रत्नों की शृंखला की तरह चमक उठता है, जो देखने वाले को विस्मित कर देता है।
6. 'आखिरी चट्टान तक' लेखक मोहन राकेश के आंतरिक और बाह्य अनुभवों का एक सुंदर कोलाज है। इस यात्रा के दौरान लेखक ने केवल भौगोलिक स्थलों को नहीं देखा, बल्कि प्रकृति के साथ एकाकार होकर जीवन के गहरे सत्यों को महसूस किया। उन्होंने जहाँ एक ओर त्रिवेणी संगम, विवेकानंद चट्टान और सैंड हिल पर सूर्य के अद्भुत रंगों का आनंद लिया, वहीं दूसरी ओर रात के अंधेरे में लहरों के बीच फंसकर मृत्यु के भय और जीवन की जिजीविषा (जीने की इच्छा) का अनुभव भी किया। इसके साथ ही, स्थानीय युवकों की बेरोज़गारी देखकर उनका संवेदनशील मन सामाजिक विषमता से भी रूबरू हुआ। संक्षेप में, यह यात्रा लेखक को रोमांचित, भयभीत और अंततः अधिक परिपक्व बनाने वाली सिद्ध हुई।

(छ) समानार्थी शब्द

- | | | |
|-------------------------|------------------------|-----------------------------------|
| 1. चट्टान - शिला, पत्थर | 3. अँधेरा - अंधकार, तम | 5. बाइनाकुलर - दूरबीन, द्विनेत्री |
| 2. नाव - नौका, डोंगी | 4. समुद्र - सागर, जलधि | 6. ओट - आड़, छिपाव |

(ज) विलोम शब्द

- | | | |
|--------------|---------------------|-------------|
| 1. सूर्यास्त | 3. गतिशील | 5. अशिक्षित |
| 2. असुरक्षित | 4. पहला / प्रारंभिक | 6. भय |

(झ) वाक्य प्रयोग

1. क्षितिज - समुद्र तट से देखने पर ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे सूर्य धीरे-धीरे क्षितिज में डूब रहा है।
2. झुरमुट - लेखक को कन्याकुमारी के रास्ते में दूर-दूर तक नारियल के पेड़ों के झुरमुट दिखाई दे रहे थे।
3. शृंखला - कन्याकुमारी का समुद्र तट अलग-अलग रंगों की रेत की एक अनूठी शृंखला पेश करता है।
4. सूखी - समुद्र की तेज़ हवाओं के कारण टीलों पर उगी सूखी घास लगातार हिल रही थी।
5. वीरान - सूर्यास्त के बाद सैंड हिल का वह पूरा इलाका एकदम वीरान और डरावना लगने लगा था।
6. महुआ - गाँव के रास्ते से गुज़रते समय चारों ओर महुआ के फूलों की भीनी-भीनी खुशबू फैली हुई थी।

(ञ) मुहावरे - अर्थ और वाक्य

1. सिर धुनना - पछताना या अत्यधिक दुख करना
वाक्य - परीक्षा में असफल होने के बाद वह सिर धुनने लगा।
2. हाथ-पैर पटकना - व्यर्थ प्रयास करना या बहुत कोशिश करना
वाक्य - उसने काम पूरा करने के लिए बहुत हाथ-पैर पटके, लेकिन सफलता नहीं मिली।

3. चोटी सर करना - विजय प्राप्त करना या लक्ष्य हासिल करना

वाक्य - कड़ी मेहनत से उसने सफलता की चोटी सर कर ली।

(ट) शब्द-भेद

1. तत्सम - सूर्योदय, चेतना, स्थल

3. देशज - मल्लाह, बैरा

2. तद्भव - रेत, चट्टान

4. विदेशी - कॉफी, होटल

(ठ) विशेषण

1. रेतीले

3. शिक्षित

5. नुकीली

2. स्याह

4. मद्धिम-सी

(ड) क्रिया-विशेषण

1. बलखाती - आती थीं

4. धीरे-धीरे - जा रहा था

2. उस दिशा में - जा रही थीं

5. जल्दी-जल्दी - चलते हुए

3. देर तक - देखता रहा

6. इतनी जल्दी-जल्दी - बदल रहा था

(ण) वाक्य रूपांतरण

1. मैं सूर्यास्त की दिशा में चला और आगे बढ़ने लगा।

2. होश होने पर मैंने अपनी चट्टान को पानी से घिरा देखा।

3. वहाँ बहुत से लोग थे जो सूर्यास्त देख रहे थे।

(त) संधि-विच्छेद

1. सूर्य + उदय

4. अन्तर्गत

2. हिम + आलय

5. प्रत्यक्

3. सम् + तुष्ट

(थ) समास

1. तट की रेखा - तत्पुरुष

4. दर्शन संबंधी सिद्धांत - कर्मधारय

2. सूर्य का अस्त - तत्पुरुष

5. यथा समय - अव्ययीभाव

3. सफेद और लाल - द्वंद्व

(द) गद्यांश पर आधारित उत्तर:

1. राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष 12 से 16 जनवरी तक किया जाता है।

2. राष्ट्रीय युवा दिवस हर साल 12 जनवरी को मनाया जाता है।

3. राष्ट्रीय युवा महोत्सव की शुरुआत वर्ष 1995 में की गई थी।

4. इस महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष भारत के किसी न किसी अलग राज्य में किया जाता है।

5. यह आयोजन देश की एकता, अखंडता तथा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को सुदृढ़ करता है।